

प्रेषक,

जे० पी० जोशी,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निदेशक नागरिक सुरक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

गृह अनुभाग-5

देहरादून: दिनांक 1 2 मई, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-11 की अवचनबद्ध मदों की धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-43/होगा/2009/5 दिनांक 03 मार्च 2010 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। शासनादेश संख्या-118/XX (5)10-07-नाग0सु0/बजट/10 दिनांक 12 अप्रैल 2010 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2010-11 से नागरिक सुरक्षा विभाग के अवचनबद्ध मदों में निम्न विवरणानुसार रुपये 2,20,000/- (रुपये दो लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

03-स्थापना(25 प्रतिशत केन्द्र पोषित)

0301 सामान्य

मानक मद	धनराशि (हजार रु० में)
1. 04-यात्रा व्यय	40
2. 08-कार्यालय व्यय	25
3. 11-लेखन सामग्री और फामो। की छपाई	10
4. 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	25
5. 26-मशीन और सज्जा/उपकरण संयंत्र	25
6. 42-अन्य व्यय	5
7. 44-प्रशिक्षण व्यय	25
8. 45-अवकाश यात्रा व्यय	25
9. 46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर क्रय	25
10. 47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी	15
योग:- (रुपये दो लाख बीस हजार मात्र)	220

2- जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

- 3- बजट प्राविधान किसी भी लेखाशीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय।
- 4- व्यय करते समय वित्तीय नियमों, आदि प्राप्त नियमावली/बजट मैनुवल के सुसंगत प्राविधानों की अनुपालना की जाय।
- 5- जारी स्वीकृति के सापेक्ष व्यय का विवरण निर्धारित प्रपत्र बी०एम०-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग तथा गृह विभाग को प्रत्येक माह विलम्बतम 20 तारीख तक अवश्य उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।
- 6- मितव्ययिता सम्बन्धी शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-2011 के अनुदान संख्या-06 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2070-अन्य प्रशासनिक सेवायें-106-सिविल रक्षा-03- स्थापना (25 प्रतिशत केन्द्र पोषित)-00-आयोजनेत्तर की सुसंगत इकाइयों के नामे डाला जायेगा।
- 8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-119 NP/XXVII/(5)2010-11 दिनांक-07.05.2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,


(जे०पी०जोशी)
संयुक्त सचिव।

संख्या-153 (1)/XX(05)10-07नाग०सु०/10, तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2-निजी सचिव, प्रमुख सचिव, गृह उत्तराखण्ड शासन।
- 3-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4-वित्त अनुभाग-1/5
- 5-एन० आई० सी० सचिवालय परिसर।
- 6-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(एम०एस० चौहान)
अनुसचिव।